संजीव®

संशोधित एवं परिवर्द्धित नवीन संस्करण

2023-24

राजस्थान में 7 अगस्त, 2023 को अधिसूचित
10 संभागों एवं 50 जिलों पर आधारित

31 अगस्त, 2023 तक UPDATE

राजस्थान सार संग्रह

नवीन मानचित्रों सहित

राजस्थान की समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' का श्रेष्ठ संकलन

- ☆ राजस्थान के 10 संभाग एवं 50 जिले
- भाग-'A' ☆ राजस्थान का सामान्य परिचय एवं राजव्यवस्था
- भाग-'B' ☆ राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था
- भाग-'C' ☆ राजस्थान का इतिहास एवं धरोहर
- भाग-'D' ☆ राजस्थान की कला एवं संस्कृति

मार्गदर्शक

मनोहर सिंह कोटड़ा [R.L.W.S.]
(सहायक श्रम आयुक्त)
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान
लेखक, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण, जयपुर
R.A.S.-2012 एवं
R.A.S.-2013 में चयनित

एस.आर. आँजणा [R.R.D.S.]
(B.D.O)
1st Rank
शिक्षक भर्ती परीक्षा, 2004
वरिष्ठ अध्यापक, प्रधानाध्यापक (मा.शि.)
एवं R.A.S.-2012 में चयनित

संपादक एवं संकलनकर्ता

दीपा रत्नू (लेखिका)
M.A. (इतिहास), M.S.W., B.Ed.
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान

विशेष आभार एवं संपादन सहयोग

मोहनलाल सुथार, डॉ. ओ.पी. पटेल, डॉ. जयंतिलाल खंडेलवाल, डॉ. दीपेश कुमार सैनी, लोकेन्द्र कुमार गर्ग, विक्रम रोहड़िया, डॉ. आर.डी. गुर्जर, प्रभात वालिया, हाशम खान मेहर, सुभाष श्रीमाल, अर्जुन देवासी, ओम सरनाऊ, अरुण ढाका, हरपाल दादरवाल, ललित ठाकुर, गोरधन सिंह राठौड़, विपिन काला, दिलीप कविया, अजय जोशी, दिग्विजय सिंह, लक्षिता कँवर

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- प्रकाशक :
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट,
  चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
  website : www.sanjivprakashan.com

- © दीपा रत्नू

- संस्करण : 2023-24

- **मूल्य : ₹ 680.00**

- *लेजर टाइपसैटिंग :*
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- *मुद्रक :* पंजाबी प्रेस, जयपुर

–समर्पण–

भक्त कवि
ठाकुर नेनदान वणसूर
(1926-1997 ई.)

भक्तकवि ठा. नैनदान वणसूर का जन्म 1926 ई. में तत्कालीन मारवाड़ रियासत के जालौर परगने के कोटड़ा ठिकाणे (तहसील-आहोर) में हुआ। यह गाँव उनके पूर्वज मोतीसरी ठिकाणे के ठा. लक्ष्मीदान वणसूर को मारवाड़ के महाराजा गजसिंह (1619-1638 ई.) के शासनकाल में दक्षिण अभियान के तहत अहमदनगर की लड़ाई में सेना के अग्रिम दस्ते (हरावळ) में अद्‌भुत शौर्य एवं वीरता प्रदर्शित करने के उपरान्त जागीर में मिला।

आप भारतीय इतिहास, धर्मशास्त्रों (विशेषकर रामचरित मानस), राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं लोक साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान थे। 20वीं सदी के राजस्थानी डिंगल कवियों में आपका विशिष्ट स्थान है। आपकी भक्तिपरक रचनाओं के प्रमुख विषय लोक देवियाँ, लोकसंत, सनातन धर्म एवं नाथ सम्प्रदाय रहे हैं। जालौर स्थित सिरे मंदिर के पूज्य शांतिनाथजी महाराज के प्रति आपकी विशेष आस्था रही है। पूज्य महाराजजी भी आपका बहुत आदर एवं सम्मान करते थे। आपकी प्रमुख रचनाएँ करणाइष्टक, नाथ-स्तुति, जगन रो गीत, राजाराम वंदन इत्यादि हैं।

- इस पुस्तक में प्रामाणिक स्रोतों से विषय सामग्री का संकलन किया गया है, साथ ही इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
  email:sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से संपादक (संकलनकर्ता) की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक (संकलनकर्ता) तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के परिवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

प्राक्कथन

प्रिय साथियों,

वर्ष 2010 से 2023 तक की समयावधि में राजस्थान में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न एवं पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव हुआ है। R.A.S.-भर्ती का नया पैटर्न एवं पाठ्यक्रम वर्ष 2013 की भर्ती से लागू हो गया है। R.A.S. भर्ती की प्रारम्भिक परीक्षा (Pre.) के प्रश्न-पत्र एवं मुख्य परीक्षा (Main) के I, II एवं III प्रश्न-पत्रों में 20 से 30% तक राजस्थान सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों का प्रावधान किया गया है। विगत वर्षों में जारी कॉलेज व्याख्याता (अनिवार्य प्रश्न-पत्र), Ist, 2nd, 3rd ग्रेड शिक्षक भर्ती, REET, पटवार, राजस्थान पुलिस (S.I. एवं कांस्टेबल), ग्राम विकास अधिकारी (VDO), कृषि पर्यवेक्षक, फायरमैन, एलडीसी (Clerk-II), लेखाकार, कॉ-ऑपरेटिव बैंक, नर्स ग्रेड-II, वनपाल-वनरक्षक, संगणक, रोडवेज, लाइब्रेरियन, हाईकोर्ट, जे.ई.एन., सरस डेयरी (RCDF) इत्यादि भर्ती परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में राजस्थान के सामान्य परिचय, प्रशासनिक व्यवस्था, भूगोल, अर्थव्यवस्था, इतिहास, धरोहर, स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता के पश्चात् का राजस्थान, कला, संस्कृति, विरासत, राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ, राजस्थानी साहित्य एवं तेजी से बदलते आधारभूत ढाँचे (उद्योग, कृषि, वाणिज्य, व्यापार, सेवा क्षेत्र) से सम्बन्धी पहलुओं का समावेश किया गया है। इसी के साथ राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था, विभिन्न अधिकारों, आयोगों, बजट, आर्थिक समीक्षा इत्यादि से सम्बन्धी जानकारी भी पूछी जाती हैं। राज्य सरकार द्वारा लोक कल्याण एवं क्षेत्रीय विकास हेतु चलाये जा रहे फ्लैगशिप कार्यक्रमों एवं विविध विकास कार्यक्रमों-सम्बन्धी जानकारी भी महत्त्वपूर्ण है।

वर्तमान में राज्य के प्रतियोगियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु दो-तीन माह से अधिक समय नहीं मिलता। कई बार तो एक से अधिक प्रतियोगी परीक्षाएँ बहुत कम समयान्तराल पर आयोजित की जाती हैं। ऐसे में राजस्थान सामान्य ज्ञान के विविध पहलुओं के सारगर्भित एवं समेकित अध्ययन एवं सतत् अभ्यास (Revision) हेतु सरल भाषा में इस प्रामाणिक पुस्तक की रचना की गई है। विगत 20 वर्षों में राजस्थान में आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' से सम्बन्धित पूछे गये अधिक से अधिक प्रश्नोत्तरों को इस पुस्तक के सभी खण्डों में यथास्थान समावेशित किया गया है।

यद्यपि इस पुस्तक में 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' से सम्बन्धित सभी विषयों का सारगर्भित समावेश किया गया है तथापि किसी प्रकार की त्रुटि की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करने एवं पुस्तक की गुणवत्ता वृद्धि के सम्बन्ध में सुझाव देने हेतु आप सभी सुधी पाठकों के विचार सदैव आमंत्रित है।

राजस्थान के विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय इस पुस्तक 'राजस्थान सार संग्रह' की परिकल्पना, परियोजना, विषयवस्तु संकलन एवं प्रामाणिकता के लिए मैं मार्गदर्शकगणों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

इस पुस्तक के सम्पूर्ण कार्य के लिए दिन-रात मेहनत करके एक श्रेष्ठ पुस्तक तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संजीव प्रकाशन, जयपुर के प्रबंध निदेशक डॉ. दीपेश कुमार सैनी एवं उनकी ऊर्जावान टीम के सदस्यों मनोज शर्मा, योगेश मित्तल, राजकुमार साधवानी, धीरज सोनी, शैलेन्द्र रोत्रवाल, महेन्द्र सिंह राठौड़, लखन गुर्जर, दीपक सेन एवं मुकेश सैनी का भी विशेष आभार व्यक्त करती हूँ।

शुभकामनाओं सहित!

- संकलनकर्ता

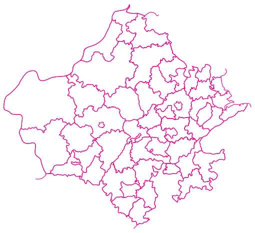

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. *अध्याय का नाम* .... *पेज नम्बर*

★ प्राक्कथन 3

★ राजस्थान का नवीनतम प्रशासनिक परिदृश्य : 10 संभाग एवं 50 जिले 6

भाग–'A' : राजस्थान का सामान्य परिचय एवं राजव्यवस्था

1. राजस्थान : सामान्य परिचय 29
   - ★ राजस्थान के वृहत क्षेत्रीय नामकरण का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र 38
2. राजस्थान का प्रशासनिक स्वरूप 52
3. राजस्थान में जिला स्तरीय प्रशासन 65
4. राजस्थान में स्थानीय स्वशासन 70

भाग–'B' : राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था

1. राजस्थान की अवस्थिति एवं विस्तार 81
   - ★ राजस्थान की अवस्थिति, विस्तार, प्रशासनिक स्वरूप एवं सीमाओं का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र 82
2. राजस्थान के भौतिक प्रदेश एवं भूगर्भीय शैल संरचना 86
   - ★ राजस्थान के भौतिक स्वरूप/भौगोलिक प्रदेश का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र 87
   - ★ राजस्थान के पर्वत एवं पठार (अरावली पर्वतमाला सहित) का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र 89
3. राजस्थान की जलवायु 94
4. राजस्थान की मिट्टियाँ (मृदा संसाधन) 98
5. राजस्थान का अपवाह तंत्र : नदियाँ 102
   - ★ राजस्थान के अपवाह तंत्र (नदियाँ) का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र 103
6. राजस्थान का अपवाह तंत्र : झीलें 111
7. राजस्थान में जल संरक्षण, संग्रहण एवं कलात्मक जलस्त्रोत : कुएँ एवं बावड़ियाँ 115
8. राजस्थान में सिंचाई परियोजनाएँ 119
9. राजस्थान में कृषि 126
10. राजस्थान में पशुपालन (पशु सम्पदा) 135
11. राजस्थान में वन (प्राकृतिक वनस्पति) एवं वन्यजीव संरक्षण 141
12. राजस्थान में खनिज संसाधन 153
13. राजस्थान में ऊर्जा संसाधन 160
14. राजस्थान के प्रमुख उद्योग एवं निर्यात 167

अध्याय नं.	अध्याय का नाम	पेज नम्बर
15.	राजस्थान में परिवहन के साधन	176
★	राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों (नवीन क्रमांक) का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र	177
★	राजस्थान में रेल परिवहन का 50 जिलों पर आधारित नवीन मानचित्र	181
16.	राजस्थान में पर्यटन	186
17.	राजस्थान में सहकारिता आंदोलन	218
18.	राजस्थान : जनगणना-2011	221
19.	राजस्थान का शैक्षिक परिदृश्य	227
20.	राजस्थान सरकार की नवीनतम फ्लैगशिप एवं अन्य योजनाएँ/कार्यक्रम	238

भाग-'C' : राजस्थान का इतिहास एवं धरोहर

1.	राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत	313
2.	राजस्थान के प्राचीन सभ्यता स्थल	323
3.	राजस्थान का इतिहास-I (जनपदकालीन राजस्थान, गुर्जर-प्रतिहार, परमार, गुहिल-सिसोदिया एवं राठौड़ राजवंश)	329
4.	राजस्थान का इतिहास-II (चौहान, हाड़ा, खींची, झाला, कच्छवाह, जाट, भाटी, यादव एवं मुस्लिम राजवंश)	344
5.	राजस्थान में स्थापत्य : दुर्ग, महल, हवेलियाँ एवं छतरियाँ	359
6.	राजस्थान में 1857 की क्रान्ति	373
7.	राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किसान और जनजाति आन्दोलन	377
8.	राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रजामण्डल आन्दोलन	384
9.	राजस्थान का एकीकरण	392
10.	राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध महिलाएँ	397

भाग-'D' : राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1.	राजस्थान के लोक-संत एवं सम्प्रदाय	406
2.	राजस्थान के लोकदेवता एवं लोकदेवियाँ	415
3.	राजस्थान की हस्तकलाएँ (हस्तशिल्प)	426
4.	राजस्थान में लोकसंगीत	431
5.	राजस्थान में लोकनृत्य एवं लोकनाट्य	437
6.	राजस्थान में चित्रकला	443
7.	राजस्थान के त्योहार एवं मेले	451
8.	राजस्थान का लोकजीवन (रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण एवं खानपान)	459
9.	राजस्थान में जनजातियाँ व उनकी विशिष्ट संस्कृति	466
10.	राजस्थान में लोकआस्था के केन्द्र	471
11.	राजस्थान : भाषा, बोलियाँ व सांस्कृतिक संस्थाएँ	477
12.	राजस्थान का साहित्य	482
★	राजस्थान का नवीन मानचित्र (50 जिले)	488

राजस्थान का नवीनतम प्रशासनिक परिदृश्य
10 संभाग एवं 50 जिले
(7 अगस्त, 2023 को नवीन जिलों के गठन के पश्चात् की स्थिति)

- 17 मार्च, 2023 को राजस्थान विधानसभा में बजट के अन्तर्गत वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री श्री अशोक गहलोत ने राज्य में 19 नए जिलों के गठन की घोषणा की।
- राजस्थान में 19 नए जिलों के गठन संबंधी अधिसूचना 5 अगस्त, 2023 को जारी की गयी, जिसके अनुसार इन जिलों की गठन तिथि 7 अगस्त, 2023 निर्धारित की गयी।

राजस्थान का नवीनतम सार संग्रह (31 अगस्त, 2023 की स्थिति)

1. सम्भाग	10
2. जिले	50
3. जिलों की संख्या की दृष्टि से देश में राजस्थान का स्थान	तीसरा
4. उपखण्ड	305
5. तहसीलें	416
6. जिला परिषदें	33
7. पंचायत समितियाँ	355
8. ग्राम पंचायतें	11,266
9. नगर निगम	11
10. नगर परिषदें	51
11. नगर पालिकाएँ	214
12. कुल नगरीय निकाय	276
13. नगर विकास प्राधिकरण	04
14. नगर सुधार न्यास (U.I.T.)	14
15. विधानसभा सीट	200
16. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH)	52
17. राज्य उच्च मार्ग (SH)	190
18. सड़कों की कुल लम्बाई (31 मार्च, 2022)	2,78,813 किमी.
19. सड़क घनत्व (प्रति वर्ग 100 किमी.)	81.48 (मार्च, 2022)
20. परिवहन जिले (D.T.O.)	61
21. रेलमार्ग की लंबाई (31.03.2023)	6046 किमी.
22. रेलमार्ग से वंचित जिले	बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
23. राष्ट्रीय राजमार्ग से वंचित जिला	डीग
24. अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	01
25. नागरिक हवाई अड्डे	05
26. सैनिक हवाई अड्डे	05
27. हवाई पट्टियाँ (राजकीय + निजी)	23 (19 + 4)

28. वन क्षेत्र	9.60%
29. जन्तुआलय	05
30. मृगवन	07
31. कंजर्वेशन रिजर्व	27
32. आखेट निषिद्ध क्षेत्र	33
33. प्रादेशिक वन मण्डल	38
34. राष्ट्रीय उद्यान (NP)	03
35. बाघ परियोजनाएँ (PT)	04
36. रामसर (नमभूमि) स्थल	02
37. औसत वार्षिक वर्षा	57.51 सेमी
38. कृषि-जलवायु प्रदेश	10
39. कृषि जोत का औसत आकार	3.07 हैक्टेयर
40. पशुधन (पशु संख्या)	5.68 करोड़
41. पुलिस जिले	61
42. सशस्त्र पुलिस बटालियन (MBC सहित)	17
43. विद्युत वितरण जिले	36
44. अधिष्ठापित विद्युत क्षमता	23487.46 MW
45. प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग	1481.10 KW
46. राजकीय विश्वविद्यालय (राज्य वित्त पोषित)	28
47. राज्य स्तरीय सहकारी संघ	22
48. केन्द्रीय सहकारी बैंक	29
49. लोकसभा सीट	25
50. राज्यसभा सीट	10
51. मिट्टियों के प्रकार (कृषि विभाग)	14
52. मिट्टियों के प्रकार (ICAR)	08
53. मिट्टियों के प्रकार (अमेरिकन वर्गीकरण)	05
54. भौतिक प्रदेश (सामान्य)	04
55. डीम्ड विश्व विद्यालय	08
56. राष्ट्रीय महत्त्व के शिक्षण संस्थान	06

भाग–'A'

राजस्थान का सामान्य परिचय एवं राजव्यवस्था

1 राजस्थान : सामान्य परिचय

राजस्थान की भू-ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **पुरापाषाणकाल** से ही **राजस्थान** में **मानव निवास के साक्ष्य** मिलते हैं।
- **वैदिक काल** में **वर्तमान राजस्थान** एवं निकटवर्ती रेगिस्तानी क्षेत्र को **'मरुधन्व'** कहा जाता था।
- **वाल्मीकिकृत रामायण महाकाव्य** में हमारे प्रदेश राजस्थान के लिए **'मरुकान्तर'** शब्द का प्रयोग हुआ है।
- मध्यकाल से स्वतंत्रता प्राप्ति तक राजस्थान के अधिकांश क्षेत्र पर राजपूत राजाओं के शासन के कारण भारतीय इतिहास में यह क्षेत्र **'राजपूताना'** के नाम से जाना गया। मध्यकालीन फारसी दस्तावेजों में इस क्षेत्र के लिए **'राजपूताँ'** शब्दावली का प्रयोग देखने को मिलता है।
- **'राजस्थान'** शब्द का प्राचीनतम ज्ञात स्रोत (साक्ष्य) **बसंतगढ़ (सिरोही) का शिलालेख** (625 ई. में उत्कीर्ण) है, जिसमें **'राजस्थानीयादित्य'** (राजस्थान + इय + आदित्य) शब्द उत्कीर्ण है।
- **'मुहणोत नैणसी की ख्यात'** एवं **'राजरूपक'** नामक ऐतिहासिक ग्रंथों में भी **'राजस्थान'** शब्द का उल्लेख स्पष्टत: देखने को मिलता है।
- राजस्थान के **सैक्त भू-भाग** (जिसके अन्तर्गत मारवाड़ तथा थार रेगिस्तान के लिए **मरु** या **मरुदेश** का उल्लेख हमें **ऋग्वेद, महाभारत, वृहत्संहिता** आदि प्राचीन ग्रन्थों तथा **'रुद्रदामन के जूनागढ़ (गुजरात) अभिलेख'** व **पाल वंश** (बंगाल) के अभिलेखों में भी मिलता है।

(**स्रोत**–राजस्थान थ्रू द एजेज : दशरथ शर्मा)

- **सत्रहवीं शताब्दी** के आसपास लिखित **'शक्ति संगम तंत्र'** में **मरुदेश** का बहुत रोचक वर्णन हुआ है–

गुर्जरात्पर्व भागे त द्वारकातो हि दक्षिणे।
मरुदेशो महेशानि उष्ट्रोप्पत्ति परायण:॥

- **महाभारत काल** में प्रयुक्त **'कुरु-जांगला'** एवं **'माद्रेय-जांगला'** के उल्लेख से प्रतीत होता है कि **जाँगलू (जांगल)** के अन्तर्गत केवल **राजस्थान का उत्तरार्द्ध भाग** ही नहीं बल्कि **पंजाब एवं हरियाणा राज्यों का दक्षिण-पूर्वी भू-भाग** भी सम्मिलित था।
- **जांगल क्षेत्र** (हर्ष पर्वत-सीकर, बीकानेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन व सांभर क्षेत्र) के अधीश्वर होने के कारण **शाकम्भरी और अजमेर के चौहान** नरेशों को प्राय: **'जांगलेश'** भी कहा जाता था। इसी जांगल क्षेत्र के अधिपति होने के कारण ही आगे चलकर बीकानेर के राठौड़ राजा **'जांगलधर पातिसाह'** कहलाये।
- राजस्थान का **पूर्वी भू-भाग** (वर्तमान **जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा, डीग** तथा **भरतपुर** जिलों का कुछ भाग) महाजनपद काल में **मत्स्य प्रदेश** कहलाता था।
- **महाभारत काल** में **मत्स्य (जनपद) राज्य** की राजधानी **बैराठ** (वर्तमान में कोटपूतली-बहरोड़ जिले का विराटनगर) थी। मत्स्य राज्य का पाण्डवों का प्रबल पक्षधर के रूप में उल्लेख मिलता है। यहाँ पर **बौद्धस्तूपों के अवशेष** मिले हैं।
- मत्स्यवासियों से ही अभिन्नत: सम्बद्ध **साल्ववासी** थे। प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता **एलेक्जेण्डर कनिंघम (1814-1893 ई.)** का मत है कि **साल्व जनपद** की राजधानी **'साल्वपुर'** ही वर्तमान में **अलवर** है।
- **शूरसेन जनपद** के अन्तर्गत राज्य के **अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली** व **गंगापुर सिटी** जिलों का क्षेत्र सम्मिलित था।
- **'शिवि' जनपद** में चित्तौड़गढ़ का समीपवर्ती क्षेत्र सम्मिलित था। वर्तमान में चित्तौड़ से लगभग 7 मील उत्तर-पूर्व में स्थित **नगरी** (माध्यमिका) नामक प्राचीन गाँव से प्राप्त उपलब्ध मुद्राओं पर उत्कीर्ण **'मज्झिममिकया शिवि जनपदस्स'** से इसकी पुष्टि होती है।
- **टोंक** जिले में निवाई के निकट स्थित **रैढ़** नामक स्थान पर की गयी खुदाई से मिले सिक्कों पर उत्कीर्ण **'मालव जनपदस्स'** से यह असंदिग्ध रूप से सिद्ध होता है कि इस क्षेत्र में **'मालव-जनपद'** विस्तृत था।
- **'गुर्जर'** अथवा **'गुर्जरत्रा'** नाम से अभिहित क्षेत्र में **राजस्थान का दक्षिण-पश्चिमी भू-भाग** आता था जिसकी प्राचीन राजधानी **भीनमाल** या **पीलोमोलो** (वर्तमान जालौर जिले में स्थित) थी, जैसा कि प्रसिद्ध चीनी यात्री **युवानच्वांग (ह्वेनसांग)** के यात्रा विवरण से संकेत मिलता है। आठवीं शताब्दी (778 ई.) में जालौर में **उद्योतन सूरि** द्वारा लिखित **'कुवलयमाला'** में भी **गुर्जरदेस** तथा **भिल्लमाल (भीनमाल/पीलोमोलो)** का उल्लेख मिलता है।
- **'मेदपाट'** राजस्थान के **मेवाड़ क्षेत्र** का ही पुराना नाम है। मेवाड़ में गुहिल राजवंश की स्थापना से पहले यहाँ कदाचित **'मेदों'** या **'मेरों'** का शासन रहा होगा इसीलिए इसका नाम **मेदपाट** पड़ा। मेदपाट को **'प्राग्वाट'** भी कहा जाता था।
- **'माड'** नाम जैसलमेर एवं निकटवर्ती क्षेत्र के लिए आज भी प्रचलित है, जिससे सम्बद्ध लोकगायिकी का **'मांड राग'** राजस्थान में अतिशय लोकप्रिय है। यहाँ की लोकदेवियों को **'माडाणी'** कहा गया। यहाँ के अन्य क्षेत्रीय नामों से **'वल्लमंडल', 'दुँगल', 'अनन्तगोचर'** इत्यादि उपलब्ध होते हैं।
- **नाडोल/नड्डुल** (वर्तमान पाली जिले के गोडवाड़ क्षेत्र में स्थित) के चौहानों का राज्य **'सप्तशत'** के नाम से जाना जाता था।
- **मारोठ** (डीडवाना-कुचामन) एवं निकटवर्ती भू-भाग पर किसी समय **गौड़ राजपूतों** का राज्य रहा था जिसके फलस्वरूप यह क्षेत्र **'गौड़ाटी'** (गौड़ावटी) कहलाया।

9.	टोंक	26°16′N	75°79′E
10.	जोधपुर	26°23′N	73°02′E
11.	पाली	25°77′N	73°33′E
12.	बाड़मेर	25°75′N	71°39′E
13.	जालौर	25°35′N	72°62′E
14.	जैसलमेर	26°91′N	70°90′E
15.	सिरोही	24°88′N	72°85′E
16.	उदयपुर	24°58′N	73°71′E
17.	राजसमंद	25°22′N	73°74′E
18.	चित्तौड़गढ़	24°88′N	74°62′E
19.	बाँसवाड़ा	23°54′N	74°43′E
20.	डूंगरपुर	23°84′N	73°71′E
21.	प्रतापगढ़	24°03′N	74°77′E
22.	कोटा	25°21′N	75°86′E
23.	बारां	25°10′N	76°51′E
24.	बूँदी	25°43′N	75°64′E
25.	झालावाड़	24°59′N	76°16′E
26.	बीकानेर	28°02′N	73°31′E
27.	चूरू	28°29′N	74°97′E
28.	श्रीगंगानगर	29°90′N	73°88′E
29.	हनुमानगढ़	29°58′N	74°32′E
30.	भरतपुर	27°21′N	77°50′E
31.	सवाई माधोपुर	26°01′N	76°35′E
32.	करौली	26°48′N	77°01′E
33.	धौलपुर	26°69′N	77°89′E
34.	ब्यावर	26°10′N	74°31′E
35.	केकड़ी	25°97′N	75°15′E
36.	डीडवाना	27°40′N	74°57′E
37.	शाहपुरा	25°63′N	74°93′E
38.	डीग	27°47′N	77°33′E
39.	गंगापुर सिटी	26°47′N	76°71′E
40.	अनूपगढ़	29°11′N	73°12′E
41.	दूदू	26°68′N	75°22′E
42.	कोटपूतली	27°17′N	76°19′E
43.	खैरथल	27°83′N	76°63′E
44.	फलौदी	27°13′N	76°36′E
45.	बालोतरा	25°83′N	72°23′E
46.	सांचौर	24°75′N	71°77′E
47.	नीमकाथाना	27°73′N	75°77′E
48.	सलूम्बर	24°13′N	74°05′E

Note—1. **जयपुर ग्रामीण** एवं **जोधपुर ग्रामीण** जिलों के जिला मुख्यालय नहीं दिये गये हैं।
- **N = Northern Latitude (उत्तरी अक्षांश)**
- **E = Eastern Longitude (पूर्वी देशान्तर)**

9. सीकर
10. अलवर
11. डीडवाना
12. भरतपुर
13. नागौर
14. कोटपूतली
15. फलौदी
16. जैसलमेर
17. जयपुर
18. दौसा
19. धौलपुर
20. दूदू
21. करौली
22. गंगापुर सिटी
23. अजमेर
24. डीग
25. जोधपुर
26. टोंक
27. ब्यावर
28. सवाई माधोपुर
29. केकड़ी
30. बालोतरा
31. पाली
32. बाड़मेर
33. शाहपुरा
34. बूँदी
35. भीलवाड़ा
36. राजसमन्द
37. कोटा
38. जालौर
39. बाराँ
40. सिरोही
41. चित्तौड़गढ़
42. सांचौर
43. झालावाड़
44. उदयपुर
45. सलूम्बर
46. प्रतापगढ़
47. डूँगरपुर
48. **बाँसवाड़ा**

* जयपुर ग्रामीण एवं जोधपुर ग्रामीण के अलावा।

9. सवाई माधोपुर
10. दौसा
11. कोटपूतली
12. झालावाड़
13. कोटा
14. टोंक
15. जयपुर
16. नीमकाथाना
17. बूँदी
18. झुंझुनूँ
19. दूदू
20. केकड़ी
21. सीकर
22. चूरू
23. शाहपुरा
24. प्रतापगढ़
25. अजमेर
26. भीलवाड़ा
27. चित्तौड़गढ़
28. डीडवाना
29. बाँसवाड़ा
30. हनुमानगढ़
31. ब्यावर
32. सलूम्बर
33. श्रीगंगानगर
34. नागौर
35. राजसमन्द
36. डूँगरपुर
37. उदयपुर
38. पाली
39. बीकानेर
41. जोधपुर
40. अनूपगढ़
42. सिरोही
43. जालौर
44. फलौदी
45. बालोतरा
46. सांचौर
47. बाड़मेर
48. **जैसलमेर**

* जयपुर ग्रामीण एवं जोधपुर ग्रामीण के अलावा।